मुख्यमंत्री ने अजमेर में मोदी की जनसभा की तैयारियाँ देखीं

उन्होंने पुष्कर के मंदिर में पूजा-अर्जना की व धीरेन्द्र शास्त्री की कथा सुनी

अजमेर, 24 फरवरी। आगामी 28 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित जनसभा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को अजमेर पहुंचे और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सभा स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस मौके पर राजस्थान को विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास की सौगातें देंगे। इस दौरान एचपीवी वैक्सीन को लाँच भी किया जाएगा। साथ ही, बड़ी संख्या में युवाओं को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री 28 फरवरी को जनसभा में राज्य के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे तथा युवाओं को नियुक्ति पत्र देंगे। वे इस अवसर पर एच पी वी वैक्सीन भी लाँच करेंगे।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अजमेर में आगामी 28 फरवरी को प्रधानमंत्री की प्रस्तावित जनसभा की तैयारियों का जायजा लिया और कायड विश्राम स्थली सभा स्थल का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने कायड विश्राम स्थली पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के उपरांत मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी तथा जनप्रतिनिधि सुरेश सिंह रावत की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुष्कर स्थित विश्वविख्यात ब्रह्मा मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जगतपिता ब्रह्मा मंदिर विश्व भर में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है और यह स्थल आस्था का केन्द्र होने के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक गौरव गाथा का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तीर्थराज पुष्कर में आयोजित तीन दिवसीय हनुमंत कथा में शामिल हुए तथा बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पं. श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का अभिनंदन किया तथा कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया।

मेरठ के घर में आग लगी, 6 की मौत

मेरठ, 24 फरवरी। उत्तर प्रदेश में मेरठ जिले के लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र स्थित किदवई नगर इलाके में सोमवार देर रात एक घर में आग लगने से एक ही परिवार के पांच बच्चों सहित, छह लोगों की मौत हो गई। मंगलवार को सभी का मुस्लिम रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार कर दिया गया। प्राथमिक जांच में शार्टसर्किट से आग लगने की बात सामने आई है।

- **संकरी गलियां होने के कारण दमकल घटना स्थल तक नहीं पहुंच पाई, छत के रास्ते आग बुझाई।**

जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह ने बताया कि कपड़ा व्यापारी इकबाल अहमद का तीन मंजिल का मकान किदवईनगर के इस्लामाबाद की गली नंबर तीन में स्थित है। इसमें उनके दो बेटे आसिम और फारूक सयुंक्त परिवार के साथ रहते हैं। सोमवार रात को इकबाल अपने बेटों के साथ तरावीह की नमाज पढ़ ने के लिए मस्जिद गये थे। इस दौरान घर में अचानक आग लग गई। उन्होंने बताया कि जब तक परिवार वाले कुछ समझ पाते, तब तक पूरा मकान आग की चपेट में आ गया।

घटना की जानकारी पड़ोसियों ने इकबाल और फायर बिग्रेड को दी। पुलिस दमकल कर्मियों को लेकर घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन सँकरी गलियां होने से गाड़ियों को आगे नहीं ले जाया जा सका। पुलिस ने पड़ोसियों की छत के रास्ते से आग को बुझाया और झुलसे लोगों को अस्पताल पहुंचाया।

प्रधानमंत्री मोदी आज दो दिवसीय दौरे पर इज़राइल पहुंचे

प्र.मंत्री मोदी इज़राइल के प्रधानमंत्री के साथ विभिन्न मसलों पर द्विपक्षीय वार्ता करेंगे

नई दिल्ली, 24 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 फरवरी से इजराइल की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर जा रहे हैं। इस दौरान वह अपने इज़राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और इजराइली संसद नेसेट को संबोधित भी करेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 12:45 बजे तेल अवीव पहुंचेंगे। आगमन पर दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच संक्षिप्त मुलाकात होगी। पहले दिन प्रधानमंत्री नेसेट को संबोधित करने के अलावा भारतीय मूल के लोगों के साथ एक सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लेंगे और एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का दौरा करेंगे। रात्रि में वह प्रधानमंत्री नेतन्याहू द्वारा आयोजित निजी रात्रिभोज में शामिल होंगे। यात्रा के दूसरे दिन 26 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी यरुशलम स्थित याद वाशेम जाकर होलोकॉस्ट स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, जहां नाज़ी अत्याचारों में मारे गए लाखों यहूदियों की स्मृति संरक्षित है।

- **गत नौ वर्षों में प्रधानमंत्री की यह इज़राइल की दूसरी यात्रा है, जिसे रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।**

इसके बाद प्रधानमंत्री इज़राइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत भी होगी। वार्ता के बाद नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और क्वांटम प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा के दौरान भारतीय और यहूदी समुदाय के सदस्यों के साथ भी संवाद करेंगे। यह यात्रा रणनीतिक, तकनीकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग को और सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी का यह दूसरा इज़राइल दौरा होगा और दोनों देशों के बीच 'रणनीतिक साझेदारी' को और सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जाएगा।

भारत और इज़रायल आई2यू2 समूह (भारत, इज़रायल, यूएई और अमेरिका) के सदस्य हैं, जो खाद्य सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार और अवसंरचना के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने का मंच है।

मैकडॉनल्ड्स के एमडी, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिवाद में कहा कि गत 9 फरवरी को खाद्य सुरक्षा आयुक्तालय की टीम ने मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम को वहां पर दूषित खाद्य तेल में फ्रेंच फ्राइज व नॉनवेज खाद्य सामग्री बनते हुए मिली। जिस खाद्य तेल का उपयोग किया जा रहा था, उसका टीपीसी स्तर 28 व 31 पाया गया, जबकि वैधानिक टीपीसी सीमा 25 तय है। विशेषज्ञों के अनुसार, 25 से ज्यादा टीपीसी वाला तेल विषाक्त होता है। यह तेल कैंसर व हार्ट की बीमारी के लिए भी प्रमुख कारण बनता है। इसके बावजूद मैकडॉनल्ड्स अपने भ्रामक प्रचार-प्रसार के जरिए अपने प्रॉडक्ट को बेच रहा है। ऐसे में इसकी खाद्य वस्तुओं पर बेचने पर रोक लगाई जाए और इसे पाबंद किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो। परिवाद में गुहार की गई है कि प्रकरण में हुए मानसिक संताप को लेकर परिवादी को पचास लाख रुपए दिलाए जाएं। परिवाद पर सुनवाई करते हुए आयोग ने मैकडॉनल्ड्स के एमडी व ब्रांड एम्बेसडर रणवीर सिंह व कार्तिक आर्यन सहित, अन्य से जवाब मांगा है।

भाजपा का बंगाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संबोधित किया था। टीएमसी सदस्यो द्वारा सुधार किए जाने के बाद, मोदी ने अपने भाषण के शेष भाग में इस लेखक-देशभक्त को "बंकिम बाबू" कहा, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था। इससे पहले भी प्रधानमंत्री ने एक और गलती की थी, जब उन्होंने मातंगिनी हाजरा को असम की स्वतंत्रता सेनानी बताया था, जबकि वे पश्चिम बंगाल के पूर्व मिदनापुर जिले से थीं।

अब प्रधानमंत्री और भाजपा नेता स्पष्ट रूप से बंगाल की सामाजिक-सांस्कृतिक भावना से अधिक निकटता स्थापित करने के प्रयास में अपनी भूलों की भरपाई करने की कोशिश कर रहे हैं। बंगाल के मतदाताओं को संबोधित एक पत्र में प्रधानमंत्री ने "जॉय माँ काली" का आ ान करने के साथ-साथ बंगाल की महान विभूतियों, जैसे सुभाष चन्द्र बोस तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी, का गौरवपूर्ण उल्लेख किया है। तृणमूल कांग्रेस को बंगाल के विकास की कमी के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए प्रधानमंत्री ने "मेरे सोनार बांग्ला" को विकसित और रूपांतरित करने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री ने लिखा, "मेरे सोनार बांग्ला के पुरुष, महिलाएं और बच्चे अत्यधिक वंचित होने का सामना कर रहे हैं। उनका दर्द मेरे हृदय पर भारी पड़ता है। मैं बंगाल को एक समृद्ध राज्य बनाने का संकल्प लेता हूं।" पत्र का बंगाली संस्करण घर-घर वितरित किया जा रहा है, जबकि हिंदी संस्करण ऑनलाइन साझा किया गया है।

रणनीति में यह बदलाव अन्य भाजपा नेताओं के भाषणों में भी दिखाई दिया है। रविवार को कोलकाता में भाजपा महिला मोर्चा के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पार्टी कार्यकर्ताओं से दुर्गा की शक्ति का आ ान करने का आग्रह किया। बंगाल और पूर्वी भारत के अन्य हिस्सों में, दुर्गा और काली की उपासना धार्मिक आस्था का मुख्य आधार मानी जाती है।

अंडमान में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

नई दिल्ली, 24 फरवरी। झारखंड विमान हादसे के बाद अब अंडमान के समुद्र में हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। इस हेलीकॉप्टर में 7 लोग सवार थे। अंडमान और निकोबार आइलैंड्स में मायाबंदर के पास एक पवन हंस हेलीकॉप्टर की लैंडिंग में शॉर्ट क्लाइंबिंग हुई। ये हादसा आज मंगलवार, 24 फरवरी की सुबह करीब 9 बजकर 30 मिनट पर हुआ। पवन हंस के प्रवक्ता ने बताया, हेलीकॉप्टर ने पोर्ट ब्लेयर से दो क्रू मेंबर और पांच पैसेंजर के साथ उड़ान भरी थी। इस हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों को बचा लिया गया है और वे सभी सुरक्षित हैं। किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

- **पांच यात्री व दो चालक दल सुरक्षित बचे।**

भोपाल में धर्मान्तरण गैंग का पर्दाफाश

गैंग की सरगना दो बहनें हैं, उनपर महिलाओं के शारीरिक शोषण का भी आरोप है

भोपाल, 24 फरवरी। भोपाल में धर्म परिवर्तन और शोषण से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिसने पूरे शहर को हिला कर रख दिया है। आरोप है कि अमरीन और आफरीन नाम की दो बहनों ने मिलकर एक संगठित गैंग खड़ा कर रखा था, जो गरीब परिवारों की लड़कियों को नौकरी और मदद का लालच देकर अपने जाल में फंसाती थीं। इसके बाद उन्हें ब्लैकमेल कर मानसिक, शारीरिक शोषण किया जाता था फिर जबरन धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जाता था।

बाग सेवनिया थाना पुलिस ने दो पीड़ित महिलाओं की शिकायत पर एक महिला समेत पांच लोगों के खिलाफ दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन का गंभीर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने अमरीन खान उर्फ माहिरा, आफरीन और चंदन यादव सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। जानकारी अनुसार, पीड़िता के पति का निधन हो चुका है और उसके दो बच्चे हैं। वह कैटरिंग सर्विस में वीआईपी वेटर का काम करती थी। पीड़िता ने बताया कि 2023 में एक मॉल में उसकी मुलाकात अमरीन उर्फ माहिरा से हुई। अमरीन ने 10 हजार रुपए महीने पर बच्ची को संभालने का काम दिलाने का झांसा देकर उसे अशोका गार्डन स्थित घर पर रख लिया। बाद में उसे सागर रॉयल विला वाले मकान बुलाया जाने लगा। यहां अमरीन बॉयफ्रेंड चंदन के साथ रहती थी।

- **पुलिस ने दो पीड़िताओं की शिकायत पर अमरीन व आफरीन नामक दो बहनों को गिरफ्तार किया जो नौकरी व आर्थिक मदद देने का लालच देकर गरीब महिलाओं को फंसाती थीं।**

साथ ही दिसंबर 2024 में नारायण नगर स्थित चंदन की बहन के घर ले जाकर चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर दुष्कर्म किया गया। जब महिला ने विरोध किया तो बदनामी की धमकी दी गई। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उसका धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश की। उस पर नमाज पढ़ ने और बुर्का पहनने के लिए दबाव डाला जाता था। सहायक पुलिस आयुक्त गौतम सोलंकी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत की जांच की जा रही है।

मुंबई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यकाल में तनावपूर्ण हो गए थे। पाकिस्तान में जन्मे व्यवसायी राणा इस समय भारत में हिरासत में हैं, जहां वे पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा द्वारा अंजाम दिए गए मुंबई आतंकी हमलों से जुड़े आरोपों में ट्रायल का इंतजार कर रहे हैं। वर्ष 2008 में हुए इस हमले में 160 से अधिक लोग मारे गए थे। कैनडा के प्रकाशन ग्लोबल न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज़ एंड सिटीज़नशिप कैनडा (आईआरसीसी) ने राणा को सूचित किया है कि वर्ष 2001 में प्राप्त उनकी कैनडा की नागरिकता को रद्द करने का इरादा है। राणा 1997 में कैनडा में बस गए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, कैनडा सरकार का यह कदम उनके खिलाफ आतंकवाद के आरोपों पर आधारित नहीं है। अपने नोटिस में आईआरसीसी ने कहा है कि राणा को नागरिकता गलत जानकारी के आधार पर प्रदान की गई थी। विभाग का आरोप है कि वर्ष 2000 में नागरिकता के लिए आवेदन करते समय उन्होंने कैनडा में अपने निवास से संबंधित गलत जानकारी दी थी।

लेह जा रहे विमान की दिल्ली में आपात लैंडिंग

नई दिल्ली, 24 फरवरी। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से मंगलवार सुबह लेह के लिए उड़ान भरने वाले स्पाइसजेट के एक विमान को तकनीकी खराबी के कारण बीच रास्ते से वापस लौटना पड़ा।

विमान के इंजन में आई खराबी के बाद पायलट ने एहतियात बरतते हुए विमान को सुरक्षित दिल्ली में लैंड कराया। विमान में करीब 150 यात्री सवार थे।

स्पाइसजेट की उड़ान एसजी-121 ने मंगलवार सुबह दिल्ली से लेह के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही विमान के इंजन में कुछ तकनीकी समस्या महसूस की गई।

जयललिता की सहयोगी रहीं शशिकला ने नई पार्टी बनाई

जयललिता की जयंती पर आयोजित सभा में शशिकला ने घोषणा की

चेन्नई, 24 फरवरी। दिवंगत मुख्यमंत्री जयललिता की करीबी सहयोगी शशिकला ने तमिलनाडु में एक नई राजनीतिक पार्टी के शुभारंभ की घोषणा की है। तमिलनाडु के रामनाथपुरम में अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) से निष्कासित नेता शशिकला ने नवस्थापित होने वाली पार्टी के झंडे का अनावरण किया।

निष्कासित अन्नाद्रमुक नेता शशिकला की लॉन्च होने वाली पार्टी के झंडे में अन्नादुराई, एमजीआर और जयललिता की तस्वीरें हैं।

- **शशिकला ने कहा, उनकी पार्टी विधानसभा चुनाव लड़ेगी।**
- **ज्ञातव्य है कि शशिकला अन्नाद्रमुक से निष्कासित हो चुकी हैं।**

तमिलनाडु के रामनाथपुरम में वीके शशिकला ने कहा कि जल्द ही नई पार्टी के नाम की घोषणा की जाएगी, तथा इसके साथ एक नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत होने जा रही है।

रामानाथपुरम में एक रैली में शशिकला ने कहा कि जल्द ही नामित होने वाली पार्टी एक ऐसी ताकत के रूप में काम करेगी, जो विरोधियों, विश्वासघातियों को परास्त करेगी। शशिकला के नई पार्टी के साथ मैदान में उतरने से आगामी विधानसभा चुनावों में चतुष्कोणीय सियासी मुकाबला हो सकता है।

इसमें एक तरफ द्रमुक के नेतृत्व वाला धर्मनिरपेक्ष यूपीए और दूसरी तरफ अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला एनडीए होगा। अभिनेता विजय की टीवीके पार्टी लगभग दो महीने बाद होने वाले चुनावों में पहली बार चुनावी मैदान में उतर रही है और यह तीसरा कोण है।

वीएसआर वैंचर्स के चार विमानों की उड़ान पर रोक लगी

नई दिल्ली, 24 फरवरी। बारामती में पिछले महीने हुए विमान हादसे के बाद जांच में कई नियमों की अनदेखी मिलने पर डीजीसीए ने मंगलवार को वीएसआर वेंचर्स के चार विमानों की उड़ान पर रोक लगा दी। इसी कंपनी का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी।

28 जनवरी को लियरजेट 45 (वीटी-एसएसके) विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने वीएसआर वेंचर्स का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराने का आदेश दिया था।

- **इसी कंपनी के विमान की दुर्घटना में अजित पवार की मौत हुई थी।**

नियामक ने बयान में कहा कि रखरखाव प्रक्रियाओं में खामियां देखते हुए लियरजेट 40/45 श्रेणी के चार विमान (वीटी-वीआरए, वीटी-वीआरएस, वीटी-वीआरवी और वीटी-टीआरआई) को तब तक ग्राउंड (उड़ान से रोका जाना) किया गया है, जब तक उनकी निरंतर उड़ान योग्यता के मानक बहाल नहीं हो जाते।

केरल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की सिफारिश प्राप्त की जाएगी, ताकि "केरल" का नाम बदलकर "केरलम्" किया जा सके। केरल में मई से पहले 140 सदस्यों वाली राज्य विधानसभा के चुनाव होने की संभावना है। अभी तक भारतीय चुनाव आयोग द्वारा कोई आधिकारिक तिथि घोषित नहीं की गई है।

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, जिन्होंने 2024 में यह प्रस्ताव पेश किया था, चाहते थे कि केन्द्र सरकार संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भाषाओं में दक्षिणी राज्य का नाम "केरल" से बदलकर "केरलम्" करे।

'एसआईआर जल्दी कराने के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि न्यायिक अधिकारियों के कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के लिए और स्पष्टीकरण जरूरी है।"

अदालत ने यह भी कहा कि कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जरूरत पड़ने पर उड़ीसा हाई कोर्ट और झारखंड हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से भी संपर्क कर सकते हैं, ताकि इन दो पड़ोसी राज्यों से ज्यूडिशियल ऑफिसर्स की मदद ली जा सके

अदालत ने आदेश दिया, "यदि हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को लगे कि और मानव संसाधन की जरूरत है, तो वे पड़ोसी राज्यों, उड़ीसा और झारखंड हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से वहां के सेवारत और सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों को समान पद पर तैनात करने के लिए कह सकते हैं। ऐसे अधिकारियों का यात्रा, रहने और खाने का खर्च ईसीआई उठाएगा।"

इस बीच, पीठ ने उन दस्तावेजों को लेकर भी स्पष्टीकरण दिया, जिन्हें दावों की प्रोसेसिंग के दौरान स्वीकार किया जा सकता हैं।

अदालत ने आदेश दिया, सितंबर 2025 में इस अदालत के उस आदेश को, जिसमें आधार को पहचान प्रमाण के रूप में स्वीकार किया गया था और साथ ही, माध्यमिक एडमिट कार्ड और पासवर्ड सर्टिफिकेट से संबंधित रिट याचिका पर दिए गए इस अदालत के आदेश को भी मान्य किया जाएगा। हम स्पष्ट करते हैं कि ऐसे सभी दस्तावेज, चाहे वे इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपडेट किए गए हों या 14 फरवरी 2026 से पहले भौतिक रूप से जमा किए गए हों, उन्हें स्वीकार किया जाएगा।"

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि ईसीआई 28 फरवरी को अंतिम सूची प्रकाशित कर सकता है और उसके बाद पूरक सूची लगातार जारी की जा सकती है।

पीठ ने कहा, "हम अनुच्छेद 142 के तहत अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए यह घोषित करना उचित समझते हैं कि पूरक सूची में शामिल मतदाताओं को 28 फरवरी 2026 को प्रकाशित अंतिम सूची का हिस्सा माना जाएगा।"

9 फरवरी को अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया था कि वह यह सुनिश्चित करे कि उसने ईसीआई को जो अधिकारी दिए हैं, वे ड्यूटी पर रिपोर्ट करें।

हालांकि, बाद में ईसीआई ने आरोप लगाया कि उसे योग्य अधिकारी उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। इसके बाद न्यायिक अधिकारियों की तैनाती का आदेश दिया गया।

पिछले सप्ताह अदालत ने साफ कर दिया था कि न्यायिक अधिकारियों या पूर्व न्यायिक अधिकारियों द्वारा दिए गए हर आदेश को अदालत का आदेश माना जाएगा और राज्य के अधिकारी उसे तुरंत लागू करने के लिए बाध्य होंगे, ताकि एसआईआर प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके।

पिछले वर्ष ईसीआई ने बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर कराया था। एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नैशनल फैडरेशन फॉर इंडियन वीमैन (एनएफआईडब्ल्यू) सहित, कई इकाइयों द्वारा दायर याचिकाओं में इस प्रक्रिया की वैधता को चुनौती दी गई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक नहीं लगाई, इसलिए ईसीआई ने एसआईआर जारी रखा।

इसके बाद ईसीआई ने पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु सहित, अन्य राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में भी एसआईआर शुरू किया। इसे लेकर कई याचिकाएं दायर हुईं। अदालत ने 29 जनवरी को इन पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बाद में अदालत में याचिका दायर कर राज्य में एसआईआर कराने के ईसीआई के फैसले को चुनौती दी। उन्होंने मांग की कि चुनाव पिछले वर्ष तैयार की गई मौजूदा मतदाता सूची के आधार पर कराए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से "लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी" (तर्कसंगत विसंगतियां) श्रेणी में आने वाले मतदाताओं के नाम हटाने पर तुरंत रोक लगाने की भी मांग की।

4 फरवरी को बनर्जी खुद अदालत में पेश हुईं और एसआईआर से जुड़े कई मुद्दे उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि ईसीआई ने इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य को निशाना बनाया है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका लगाई

लखनऊ, 24 फरवरी। यौन उत्पीड़न के आरोप का सामना कर रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अब अपनी अग्रिम जमानत के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दस्तक दी है। एफआईआर दर्ज होने के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए शंकराचार्य ने उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है।

- **पुलिस, यौन उत्पीड़न के मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द के खिलाफ दर्ज एफआईआर की जांच कर रही है।**

शंकराचार्य ने अधिवक्ता राजर्षि गुप्ता, सुधांशु कुमार और श्री प्रकाश के जरिए उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की है। जल्द ही इस पर सुनवाई हो सकती है। दरअसल, तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने 173 (4) के तहत जिला कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी।

रूस की "इकॉनमी" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अर्थव्यवस्था अब दो हिस्सों में बंट गई है। एक हिस्सा सेना और उससे जुड़े उद्योगों का है, जिन्हें जरूरी संसाधन सबसे पहले दिए जाते हैं। आज के रूस में श्रम सबसे दुर्लभ संसाधन है, और इसका सबसे बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र को मिल रहा है। ये उद्योग नए लोगों को भर्ती कर रहे हैं और पूंजी के निवेश के साथ तेजी से बढ़ रहे हैं।

दूसरी ओर, बाकी अर्थव्यवस्था को आवश्यक संसाधन और सेवाएं बहुत कम मिल रही हैं। छोटे व्यवसाय संघर्ष कर रहे हैं और उपभोक्ता उद्योग किसी तरह अपनी स्थिति बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। पूरी आर्थिक ताकत को निचोड़कर सेना क्षेत्र को ऊर्जा और संसाधन दिए जा रहे हैं।

निर्यात से होने वाली आय घट रही है, क्योंकि रूसी तेल भारी छूट पर बेचा जा रहा है। उसका सबसे बड़ा बाजार चीन भी धीरे-धीरे मंदी की ओर बढ़ रहा है और वहां तेल की मांग कम हो रही है। तेल निर्यात पर ज्यादा निर्भर अर्थव्यवस्था होने के कारण रूस का बजट घाटा बढ़ रहा है। फिलहाल यह घाटा जीडीपी के लगभग 3 प्रतिशत के करीब है। टैक्स बढ़ाकर ज्यादा आय जुटाने की गुंजाइश भी सीमित है, क्योंकि टैक्स देने वालों की क्षमता लगभग खत्म हो चुकी है।

ऐसी स्थिति में सरकार के बजट पर ब्याज का बोझ भी बढ़ रहा है। इससे इकॉनमी की मिलिट्री सैक्टर को और आगे बढ़ाने की क्षमता कम हो रही है तथा बाकी इकॉनमी भी कमज़ोर हो रही है।

रूसी अर्थव्यवस्था जितने लंबे समय तक इस "डैथ ज़ोन" में रहेगी, उसके लिए बिना नुकसान के बाहर निकलना उतना ही मुश्किल होता जाएगा। सामान्य समझ वाला कोई भी निर्णय लेने वाला व्यक्ति ऐसी स्थिति से जल्दी बाहर निकलने की कोशिश करेगा। लेकिन रूस का वर्तमान नेतृत्व, जिसकी अगुवाई व्लादिमिर पुतिन कर रहे हैं, इसके उलट दिशा में जा रहा है।

रूस विशेषज्ञ ने इस व्यवहार की अपनी व्याख्या दी है। उनका मानना है कि पुतिन सिर्फ अपनी स्थिति पर नजर नहीं रख रहे, बल्कि अपने प्रतिद्वंद्वियों, पश्चिमी यूरोप, यूक्रेन और अमेरिका की स्थिति भी देख रहे हैं।

यूक्रेन युद्ध अब रूस और पश्चिमी देशों के बीच धैर्य की परीक्षा बन गया है। इसमें सबसे अहम भूमिका अमेरिका की होगी कि वह बिना झुके कितनी दूर तक साथ दे सकता है। अगर अमेरिका अडिग रहता है, तो रूस के लिए स्थिति गंभीर हो सकती है। इसी कारण वोलोदिमिर ज़ैलैंस्की लगातार अमेरिका से साथ न छोड़ने की अपील कर रहे हैं।

समस्या यह है कि अमेरिका की घरेलू अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति और वहां के राष्ट्रपति जिन झगड़ों में पड़ रहे हैं, उन्हें देखते हुए यू.एस. की पॉलिसी में बहुत बड़ा बदलाव आ रहा है। इस स्थिति का फायदा उठाकर पुतिन और ज्यादा आक्रामक रुख अपना सकते हैं। बदलते हालात में यही सबसे बड़ा खतरा है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908